under the rehabilitation packages of Banks and financial institutions.

Failure of banking and cooperative credit system

2991 SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the press report which appeared in the "Financial Express" of the 20th June, 1988 wherein it has been stated that Banking and Cooperative Credit System in most of the States has failed to relieve the rural poor from a strong hold of money lenders;

(b) whether Government propose to set up special institutions for smaller peasants for this purpose; and

(c) what other measures Government propose to contemplate for the success of Banking and Cooperative Credit System in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Disbursement of agricultural credit through existing credit institutions has been increasing over the years. The total disbursement rose from Rs. 885.16 crores in 1970-71 to Rs. 9644.46 crores in 1987-88. More and more banking and cooperative institutions are being opened in the rural areas to meet the credit requirements of the rural poor.

देश में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या

2992. **श्री शरद यादव :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1983-84, 1984-85, 1985-86, 1986-87 और 1987-88 में बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी थी ;

(ख) उपयुक्त वर्षों के दौरान पूरे देश में सरकारी रोजगार केन्द्रों के माध्यम से स्थायी रूप से नियोजित किए गए बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या कितनी है ;

(ग) बेरोजगारी को समाप्त करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं ; और

(घ) 1987 तक पूरे देश में रोजगार केन्द्रों की संख्या कितनी थी ?

श्रम मंत्री (श्री बिंदेश्वरी दुबे) : (क) 7वें पंचवर्षीय योजना दस्तावेज के अनुसार मार्च, 1985 में बेरोजगारी (सामान्य स्तर) का अनुमान 92 लाख था।

(ख) देश के रोजगार कार्यालयों के माध्यम से वर्ष 1983 से 1987 के दौरान नौकरी (स्थायी अथवा अन्यथा) में लगाए गए पंजीकृत नौकरी चाहने वाले व्यक्ति जिनमें से सभी बेरोजगार नहीं थे, की संख्या इस प्रकार है :—

वर्ष	संख्या (हजारों में)
1983	485.9
1984	407.3
1985	388.5
1986	351.3
1987	334.4

(ग) रोजगार सृजन की नीति सातवें पंचवर्षीय योजना दस्तावेज में दी गई है। इसके अतिरिक्त अन्य योजना शहरी गरीब व्यक्तियों के लिए एक स्व: रोजगार कार्यक्रम भी कार्यान्वित किया जा रहा है।

(घ) वर्ष 1987 के अंत में देश के रोजगार कार्यालयों की संख्या 835 थी जिनमें 89 विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्ग-दर्शन केन्द्र भी शामिल है।

मिलावटी उर्वरकों के मामले

2993. **श्री शरद यादव :** क्या कृषि मंत्री 5 अगस्त, 1988 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1343 दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि 1985-86, 1986-87 और 1987-88 में मिलावटी खाद के